हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय
सामान्य प्रशासन शाखा

.....

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय कार्यकारिणी परिषद् की वर्ष, 2014 की तृतीय आपातकालीन बैठक की कार्यवाही, जो दिनांक 26 अगस्त, 2014 को अपराह्न 4–00 बजे आचार्य ए0डी0एन0 वाजपेयी, कुलपति की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के समिति कक्ष में आयोजित की गई । बैठक में निम्नलिखित सम्माननीय सदस्य उपस्थित हुए :–

1– आचार्य राजेन्द्र सिंह चौहान
2– डॉ0 एस0 एस0 कौशल
3– प्रो0 डी0सी0 गौतम
4– डॉ0 एस0 सी0 शर्मा
5– श्री इन्द्र दत्त लखनपाल
6– प्रो0 सतीश चन्द भढवाल
7– श्री चन्द्र शेखर
8– चौ0 वरयाम सिंह बैन्स
9– श्री हरीश जनारथा
10–डॉ0 अनुराग शर्मा
11–प्रो0 एम0एल0 झारटा –कुलसचिव
सदस्य–सचिव

<u>मद संख्य–1 :</u> कुलपति महोदय का वक्तव्य ।

.....

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय कार्यकारिणी परिषद् की *वर्ष 2014 की तृतीय आपातकालीन बैठक* में मैं आप सभी सम्माननीय सदस्यों का हार्दिक स्वागत् एवं अभिनन्दन् करता हूँ।

इस अवधि के दौरान विश्वविद्यालय में निम्नलिखित कार्यक्रम, बैठकें, संगोष्ठियां और कार्यशालाऐं आयोजित की गईं:-

- दिनांक 02.08.2014 को नई दिल्ली में केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मन्त्री से हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से सम्बन्धित विषयों पर विस्तृत चर्चा की। तदोपरांत उनसे विश्वविद्यालय में विज्ञान विषयों से सम्बन्धित NET/JRF परीक्षा का केन्द्र स्थापित करने की भी मांग की।

- दिनांक 04.08.2014 को अकादमिक स्टाफ कॉलेज में शिक्षा विषय में पुनश्चर्या कार्यक्रम का शुभारम्भ किया तथा उसमें विशेष व्याख्याान दिया।

- दिनांक 04.08.2014 को ही डॉ. सूरत राम ठाकुर द्वारा 'हिमाचल प्रदेश के लोक वाद्य यन्त्र' नामक पुस्तक का विमोचन किया गया जिसे नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित किया गया है।

- दिनांक 05.08.2014 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय खेलकूद एवं पाठयेतर गतिविधि परिषद् की सामान्य वार्षिक बैठक आयोजित की गई जिसमें वर्षभर की गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया।

- दिनांक 13.08.2014 को शिक्षा विभाग द्वारा ''मूल्य आधारित शिक्षाः मुद्दे, चिन्ताएं व नई दिशाएं'' विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें नागालैण्ड के पूर्व राज्यपाल श्री अश्वनी कुमार मुख्य अतिथि रहे।

- दिनांक 14.08.2014 को वित्त समिति की बैठक आयोजित की गई।

- दिनांक 15.08.2014 को शहीद कैप्टन नितिन गौतम को स्मर्णांजलि प्रदान की गई तथा ध्वजा रोहण के बाद विश्वविद्यालय मॉडल स्कूल द्वारा शहीदों को याद करते हुए कार्यक्रम आयोजित किया गया।

- दिनांक 21.08.2014 को बाबा फ़रीद स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, फ़रीदकोट, पंजाब द्वारा आयोजित की जा रही अन्तर दंत महाविद्यालय वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता के उदघाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में विश्वविद्यालय की ओर से उपस्थित हुआ।

- दिनांक 22.08.2014 को संवर्धित परीक्षा प्रबन्धन प्रणाली के सम्बन्ध में विस्तृत बैठक आयोजित की गई जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

- दिनांक 25–8–2014 को अकादमिक स्टाफ कॉलेज द्वारा उन्मुखीकरण कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ ।

अब मैं विश्वविद्यालय के कुलसचिव से आग्रह करता हूं कि आज के लिए प्रस्तावित मदों को परिषद् के सम्मुख चर्चा एवं निर्णय के लिए प्रस्तुत करें।

<u>मद संख्या–2:</u> कार्यकारिणी परिषद् के समक्ष विश्वविद्यालय परिसर व सम्बद्ध महाविद्यालयों में केन्द्रीय छात्र संघ के चुनाव करवाने बारे मामला परिषद् के अवलोकन एवं उचित निर्णय हेतु प्रस्तुत है ।

.....

कार्यकारिणी परिषद् ने केन्द्रीय छात्र संघ चुनाव 4-9-2014 से 11-9-2014 के मध्य कराने हेतु प्रस्तावित अनुसूची **(संलग्नक)** के आधार पर विस्तृत चर्चा के उपरान्त तथ्यों सहित विचार किया और पाया कि विश्वविद्यालय परिसर में हिंसा का वातावरण बना हुआ है और अभी दो दिन पहले ही छात्रावासों में दो विद्यार्थी संगठनों में खूनी संघर्ष हुआ है, शिमला स्थित महाविद्यालयों जैसे सांध्यकालीन महाविद्यालय, राजकीय महाविद्यालय संजौली व कोटशेरा व प्रदेश के अन्य जिलों के महाविद्यालयों जैसे बिलासपुर, उना, मंडी , हमीरपुर, सिरमौर इत्यादि से भी छात्र संगठनों में हिंसक घटनाओं की सूचनाएं प्राप्त हो रही हैं। इसके अतिरिक्त जिला शिमला से प्राप्त सूचना के अनुसार 127 छात्रों के विरूद्ध प्राथमिकी रिपोर्ट (FIR) दर्ज है और अन्य जिलों में भी ऐसी ही प्राथमिकी रिपोर्ट (FIR) दर्ज हैं। शैक्षणिक सत्र 2012–2013 व 2013–2014 के दौरान केन्द्रीय छात्र संघ को हिंसक संघर्ष के लिए भंग करना पड़ा है, और पिछले वर्ष 12 छात्रों के हिंसक गतिविधियों में संलिप्त होने पर लगभग 8 महीने तक जेल में रहना पड़ा तथा 52 छात्रों को विश्वविद्यालय प्रशासन ने **कारण बताओ नोटिस** जारी किए और उनमें से कुछ को कक्षाओं से निलम्बित भी किया गया ।

कार्यकारिणी परिषद् ने कहा कि आये दिन विश्वविद्यालय परिसर और सम्बध महाविद्यालयों में धरना, प्रदर्शन, घेराव आदि से छात्र, शिक्षक व कर्मचारी समुदाय में एक दहशत का वातावरण बना रहता है जिससे शिक्षण संस्थानों में अध्यापन, सतत मूल्यांकन और मूल्यांकन का कार्य प्रभावित होता है। इसके अतिरिक्त यह भी देखने में आया है कि केन्द्रीय छात्र संघ प्रायः महाविद्यालय/विश्वविद्यालय प्रशासन को सुचारु रुप से कार्य संचालन में भी बाधा पहुंचाते हैं।

कार्यकारिणी परिषद् ने इन समस्त परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनुमोदित लिंगदोह कमेटी की अनुशंसाओं, विशेष रुप से (6.1.2) की अनुपालना करते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि इस समय शान्तिपूर्ण, स्वतन्त्र व निष्पक्ष केन्द्रीय छात्रसंघ चुनाव नहीं कराए जा सकते अतः केन्द्रीय छात्र संघ चुनाव को **एक वर्ष के लिए स्थगित** किया जाता है ।

कार्यकारिणी परिशद ने पुनः लिंगदोह कमेटी की अनुशंसा 6.1.2, 6.1.3 की अनुपालना करते हुए **मनोनयन के आधार** पर अन्तरिम व्यवस्था के अन्तर्गत केन्द्रीय छात्र संघ का गठन करने के लिए न केवल शैक्षणिक वरीयता के आधार पर बल्कि छात्रों की खेलकूद, सांस्कृतिक व अन्य पाठ्येतर गतिविधियों में सहभागिता रखने वाले छात्रों को प्रतिनिधित्व देने का निर्णय लिया ।

कार्यकारिणी परिषद् ने वैकल्पिक मनोनयन पर आधारित केन्द्रीय छात्र संघ की रुपरेखा तैयार करने एवं पूरी प्रक्रिया की समय सूची तैयार करने के लिए निम्नलिखित उच्च स्तरीय समिति का गठन कियाः–

1–	प्रति–कुलपति	–अध्यक्ष
2–	अधिष्ठाता अध्ययन	–सदस्य
3–	कुलसचिव	–सदस्य
4–	अधिष्ठाता महाविद्यालय विकास परिषद्	–सदस्य
5–	अधिष्ठाता विधि संकाय	–सदस्य
6–	डॉ0 सतीश शर्मा, सदस्य कार्यकारिणी परिषद् एवं प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय ढलियारा	–सदस्य
7–	अधिष्ठाता छात्र कल्याण	–सदस्य– सचिव एवं संयोजक

कार्यकारिणी परिषद् ने यह भी निर्णय लिया कि उपरोक्त समिति दिनांक 03.09.2014 तक विस्तृत प्रतिवेदन माननीय कुलपति को अनुमोदनार्थ प्रस्तुत करेगी जिसे बाद में कार्यकारिणी परिषद् को सूचनार्थ प्रतिवेदित कर दिया जायेगा ।

यथा–स्थान की गई चर्चा :

I. सम्माननीय सदस्य श्री हरीश जनारथा ने कार्यकारिणी परिषद् को अवगत करवाया कि उन्हें परिषद् ने विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रोजैक्टों, स्कीमों व स्वयं–पोषित योजना व छात्रावासों की मैसों में नियुक्त कर्मचारियों के नियमितीकरण व अन्य कई मामलों का परीक्षण करने का दायित्व सौंपा है जिनका परीक्षण करने पर यह पाया गया कि विभिन्न पदों पर विभागाध्यक्षें/अधिकारियों द्वारा अपने स्तर पर दैनिक वेतन/अनुबंध आधार/ स्वयं–पोषित

योजना/प्रोजैक्टों/आंशिक और निर्धारित वेतन पर की गई नियुक्तियों की जानकारी विश्वविद्यालय प्रशासन को उपलब्ध नहीं करवाई गई है और यह नियुक्तियां सम्बन्धित विभागाध्यक्षों/निदेशकों द्वारा अपने स्तर पर ही की गई हैं जिसका सम्माननीय सदस्य श्री इन्द्र दत्त लखनपाल, चन्द्र शेखर और चौ0 वरयाम सिंह बैन्स ने भी समर्थन किया । इस पर कार्यकारिणी परिषद् ने निर्णय लिया कि पिछले तीन वर्ष में नियुक्त किए गए समस्त प्रार्थियों/कर्मचारियों का पूर्ण ब्यौरा कुलसचिव के माध्यम से जनारथा समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाये ।

कार्यकारिणी परिषद् ने निर्णय लिया कि छात्रावासों/विभागों में इस प्रकार की नियुक्तियों के सम्बन्ध में मुख्य छात्रापाल, समस्त विभागाध्यक्षें/निदेशकों द्वारा अपनाई गई चयन प्रक्रिया का पूर्ण ब्यौरा भी जनारथा समिति के समक्ष रखा जाये ताकि ऐसे मामलों का पूर्ण परीक्षण किया जा सके । परिषद् ने यह भी निर्णय लिया कि स्वयं–पोषित योजना और प्रोजैक्टस इत्यादि में सभी पदों का सृजन सम्बन्धित निकाय (वित्त समिति) से करवा कर ही नियुक्तियां की जायें ताकि अनावश्यक विवादों से बचा जा सके ।

उपरोक्त तथ्यों पर विस्तार से चर्चा के उपरान्त कार्यकारिणी परिषद् ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि भविष्य में दैनिक वेतन भोगी/अनुबंध आधार/ स्वयं–पोषित योजना/प्रोजैक्टों/आंशिक और निर्धारित वेतन पर नियुक्तियां कुलसचिव कार्यालय के माध्यम से पूर्ण प्रक्रिया अपनाकर आवश्यक विज्ञापन जारी कर ही की जायें ।

II. इसके अतिरिक्त सम्माननीय सदस्य सर्वश्री हरीश जनारथा, इन्द्र दत्त लखनपाल तथा चन्द्र शेखर ने पिछली बैठक में बी.ए./बी.एस.सी./बी.कॉम–तृतीय वर्ष के छात्रों को श्रेणी सुधार के लिए प्रदान किये गये दो विशेष अवसरों के आधार पर बी.ए./बी.एस.सी./बी.कॉम–प्रथम व द्वितीय वर्ष के छात्रों को कार्यकारिणी परिषद् की दिनांक 30–7–2014 को हुई बैठक में लिए गए निर्णय का मामला उठाया, और इस मामले पर सम्माननीय सदस्य चौ0 वरयाम सिंह बैन्स ने कहा कि स्नातक उपाधि तीन वर्ष की है, अतः बी.ए./बी.एस.सी./बी.कॉम–प्रथम व द्वितीय वर्ष के छात्रों को भी श्रेणी सुधार का अवसर दिया जाना चाहिए। जिस पर कुलसचिव ने कार्यकारिणी परिषद् को अवगत करवाया कि पिछली बैठक में लिया गया निर्णय परीक्षा नियन्त्रक को प्रेषित किया गया है । कार्यकारिणी परिषद् ने इस हेतु माननीय कुलपति को अधिकृत किया कि वह प्रतिकुलपति तथा परीक्षा नियन्त्रक से सलाह लेकर

आवश्यक कार्रवाई करेंगे, जिसे बाद में कार्यकारिणी परिषद् में सूचनार्थ प्रतिवेदित कर दिया जायेगा ।

III. कार्यकारिणी परिषद् ने विभिन्न छात्र संगठनों द्वारा सौंपे गये मॉग–पत्रों में उठायी गयी मॉगों पर चर्चा की तथा प्रति–कुलपति महोदय से विश्वविद्यालय द्वारा की गई फीस बृद्धि व केन्द्रीय छात्र संघ चुनाव को छोड़कर अन्य उचित मॉगों का परीक्षण करने हेतु आग्रह किया गया।

अन्त में बैठक पीठ को धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सम्पन्न हुई ।

(आचार्य मोहन झारटा)
कुलसचिव
सदस्य–सचिव

पुष्टिकरण

हस्ता0/–

(आचार्य ए.डी.एन. बाजपेयी)
सभापति/कुलपति